खबरों में रहे स्टॉक

बजाज फाइनैंस

वित्तीय सेवाओं के डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए भारती एयरटेल संग साझेदारी
₹ 7,180.6 पिछला बंद भाव
₹ 7,437.7 आज का बंद भाव
3.6 % ▲

सुप्रीम इंडस्ट्रीज

तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ पिछले साल के मुकाबले 27 प्रतिशत घटा
₹ 4,202.2 पिछला बंद भाव
₹ 4,024.2 आज का बंद भाव
-4.2 % ▼

इंडियन ओवरसीज बैंक

तीसरी तिमाही के दौरान शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 21 प्रतिशत बढ़ा
₹ 50.6 पिछला बंद भाव
₹ 52.6 आज का बंद भाव
3.9 % ▲

वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज

ग्राउंट माउंट सौर बिजली परियोजना के ईपीसी कार्यों के लिए आशय पत्र मिला
₹ 1,044.4 पिछला बंद भाव
₹ 1,066.2 आज का बंद भाव
2.1 % ▲

ग्लोबस स्पिरिट्स

एथनॉल डिस्टिलिरीज को चावल आपूर्ति के दाम 28 रु से घटाकर 22.50 रु किए गए
₹ 795.1 पिछला बंद भाव
₹ 931.6 आज का बंद भाव
17.2 % ▲

संक्षेप में

एमआरपीएल का शुद्ध लाभ 21 प्रतिशत घटा

मैंगलोर रिफाइनरी ऐंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) का चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शुद्ध लाभ 21 प्रतिशत घटकर 309 करोड़ रुपये पर आ गया। एमआरपीएल ने सोमवार को एक बयान में कहा कि पिछली तिमाही में परिचालन राजस्व घटने से उसका शुद्ध लाभ कम हुआ है। कंपनी के मुताबिक अक्टूबर-दिसंबर 2024 तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 309 करोड़ रुपये रहा जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 392 करोड़ रुपये था। आलोच्य अवधि में एमआरपीएल की परिचालन आय घटकर 25,601 करोड़ रुपये रह गयी जो एक साल पहले की समान तिमाही में 28,364 करोड़ रुपये थी। इसका मुख्य कारण कच्चे तेल की कीमतों में नरमी रही। *भाषा*

तेलंगाना में बीयर आपूर्ति शुरू करेगी हाइनकेन

शराब कंपनी हाइनकेन की भारतीय इकाई यूनाइटेड ब्रुअरीज ने सोमवार को घोषणा की है कि वह तेलंगाना में बीयर की आपूर्ति दोबारा शुरू करेगी। कंपनी ने कुछ हफ्ते पहले राज्य सरकार से बकाया भुगतान नहीं होने पर बीयर की आपूर्ति बंद कर दी थी। शेयर बाजार को दी जानकारी में यूनाइटेड ब्रुअरीज ने कहा है, 'हमने फिलहाल अपनी आपूर्ति दोबारा शुरू करने का फैसला किया है। यह अंतरिम फैसला ग्राहकों, कर्मचारियों और हितधारकों के लिए लिया गया है।' *रॉयटर्स*

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने दाखिल की याचिका

जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने सहायक कंपनी जेएसडब्ल्यू रिन्यू एनर्जी फाइव लिमिटेड के जरिये पंचाट के समक्ष याचिका दाखिल की है। याचिका में जेएसडब्ल्यू की बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) के लिए शुल्क खारिज करने के हालिया फैसले को चुनौती दी गई है। सूत्रों ने बताया कि जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने अपनी याचिका में पहले के आदेश को पलटने की मांग की है। इसमें अगस्त 2022 की ई-रिवर्स नीलामी में बताए गए शुल्क को अपनाने और शेष समझौतों का समय पर निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए निर्देश देने की मांग की गई है। *बीएस*

जोमैटो का मुनाफा 57% घटा

उदिशा श्रीवास्तव
नई दिल्ली, 20 जनवरी

ऑनलाइन ऑर्डर पर खाना पहुंचाने वाली कंपनी जोमैटो का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एक साल पहले के मुकाबले 57 फीसदी घटकर 59 करोड़ रुपये रहा गया। एक साल पहले की समान अवधि में यह 138 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही के 176 करोड़ रुपये मुकाबले कंपनी के शुद्ध लाभ में 66.5 फीसदी गिरावट आई है।

समीक्षाधीन अवधि में कंपनी का परिचालन का राजस्व एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 64 फीसदी बढ़कर 5,405 करोड़ रुपये हो गया है, जो बीते वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 3,288 करोड़ रुपये था। इससे पहले की तिमाही (दूसरी तिमाही) में कंपनी का राजस्व 4,799 करोड़ रुपये था।

लाभप्रदता के मोर्चे पर कंपनी का समेकित एबिटा एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 128 फीसदी बढ़कर 285 करोड़ रुपये रहा। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में एबिटा में वृद्धि फूड डिलिवरी में आए सुधारों के कारण रही। मगर दूसरी तिमाही के मुकाबले तीसरी तिमाही में सेमिकत एबिटा में 14 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। कंपनी ने कहा कि फूड डिलिवरी मार्जिन में सुधार के बावजूद क्विक कॉमर्स स्टोर नेटवर्क में विस्तार के कारण तिमाही के दौरान एबिटा में गिरावट दर्ज की गई।

पात्र संस्थागत निवेशक (क्यूआईपी) से 8,446 करोड़ रुपये की शुद्ध आय के कारण जोमैटो का नकद बढ़कर 19,235 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी को अपने निदेशक मंडल से क्यूआईपी के जरिए 8,500 करोड़ रुपये तक जुटाने की मंजूरी मिली थी।

फूड डिलिवरी कारोबार

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में कंपनी का फूड डिलिवरी कारोबार से समायोजित राजस्व मामूली बढ़कर 2,413 करोड़ रुपये रहा, जो दूसरी तिमाही में 2,340 करोड़ और एक साल पहले की समान अवधि में 2,062 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सकल ऑर्डर मूल्य (जीओवी) भी दूसरी तिमाही के 9,913 करोड़ रुपये के मुकाबले बढ़कर 9,690 करोड़ रुपये रहा। बीते वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में जीओवी 8,486 करोड़ रुपये था। हालांकि, एक साल पहले के मुकाबले कंपनी के जीओवी में 17 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, लेकिन कंपनी ने जो पहले कहा था उससे थोड़ा कम है।

ब्लिंकइट

जोमैटो की क्विक कॉमर्स इकाई ब्लिंकइट के राजस्व में 21 फीसदी का इजाफा दर्ज किया गया है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में ब्लिंकइट का राजस्व 1,399 करोड़ रुपये रहा, जो दूसरी तिमाही में 1,156 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान प्लेटफॉर्म का जीओवी 27 फीसदी बढ़कर 7,798 करोड़ रुपये रहा, जो चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 6,132 करोड़ रुपये था। हालांकि, तीसरी तिमाही में ब्लिंकइट का औसत ऑर्डर मूल्य 700 रुपये से अधिक रहा और कंपनी के डार्क स्टोर की संख्या भी 1,000 का आंकड़ा पार कर गई। दूसरी तिमाही में कंपनी को औसत 660 रुपये के आर्डर मिलते थे और उसके डार्क स्टोर की संख्या 791 थी, जो तीसरी तिमाही में 1007 हो गई है।

गोइंग आउट और हाइपरप्योर

जोमैटो के गोइंग आउट कारोबार का राजस्व भी तीसरी तिमाही में 68 फीसदी बढ़कर 259 करोड़ रुपये रहा, जो दूसरी तिमाही में 154 करोड़ रुपये और एक साल पहले की समान अवधि में 73 करोड़ रुपये था। कंपनी के इस कारोबारी खंड का जीओवी भी एक तिमाही पहले के 1,849 करोड़ रुपये के मुकाबले बढ़कर 2,495 करोड़ रुपये था। गोइंग आउट का जीओवी पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 858 करोड़ रुपये था। जोमैटो के बिजनेस-टू-बिजनेस सप्लाई कारोबार हाइपरप्योर का राजस्व भी चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 13.4 फीसदी बढ़कर 1,671 करोड़ रुपये रहा है। इस श्रेणी का राजस्व चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 1,473 करोड़ रुपये और बीते वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही में 859 करोड़ रुपये था।

गो फर्स्ट का होगा परिसमापन

भाविनी मिश्रा
नई दिल्ली, 20 जनवरी

राष्ट्रीय कंपनी कानून पंचाट (एनसीएलटी) ने आज किफायती विमानन कंपनी गो फर्स्ट के परिसमापन का आदेश दिया। कंपनी के ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) के अनुरोध पर यह आदेश दिया गया है। इस तरह 20 महीने से चल रही यह दिवालिया कार्यवाही खत्म हो गई। न्यायिक सदस्य महेंद्र खंडेलवाल और तकनीकी सदस्य डॉ. संजीव रंजन के एनसीएलटी पीठ ने सीओसी के परिसमापन आवेदन को स्वीकार कर लिया। पीठ ने कहा कि परिसमापन का आदेश दिया जाता है।

23 जुलाई, 2024 को ऋणदाताओं की समिति की 37वीं बैठक में परिसमापन प्रक्रिया के लिए अनुमानित लागत 21.6 करोड़ रुपये बताई गई थी जिसका इंतजाम सीओसी सदस्यों ने अपने वोटिंग शेयर के अनुसार करने पर सहमति जताई गई थी। लेनदारों की समिति (सीओसी) ऋणदाताओं का वह समूह होता है जो देनदार या उधारकर्ता के ऋण का भविष्य तय करने के लिए मिलकर काम करते हैं।

विमानन कंपनी ने पंचाट को बताया था कि हासिल की गईं समाधान योजनाएं न तो आईबीसी की अनिवार्य आवश्यकताओं के अनुपालन क हिसाब से थीं और न ही सीओसी को वाणिज्यिक रूप से मंजूर थीं। इसलिए कॉरपोरेट देनदार (गो फर्स्ट) का वाणिज्यिक परिचालन फिर से शुरू करने की अक्षमता को देखते हुए सीओसी ने कॉरपोरेट देनदार के परिसमापन का विकल्प चुना है।

उसने अदालत को यह भी बताया कि एसआईएसी मध्यस्थता के लिए धन के स्रोत के संबंध में सीओसी ने सीआईआरपी नियमों के नियमन 39बी के तहत अनुमानित परिसमापन लागत को पूरा करने के लिए पूंजी प्रावधान समझौते (सीपीए) की शर्तों के अनुसार बर्फोर्ड कैपिटल से मुकदमेबाजी के लिए धन प्राप्त करने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

तीसरी तिमाही में पेटीएम का घाटा घटा

बीएस संवाददाता और भाषा
नई दिल्ली/मुंबई/चेन्नई, 20 जनवरी

पेटीएम ब्रांड का संचालन करने वाली कंपनी - वन97 कम्युनिकेशंस ने वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही के दौरान 208.3 करोड़ रुपये का समेकित घाटा दर्ज किया है, जो वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही के 219.8 करोड़ रुपये के घाटे की तुलना में कम है। वित्त वर्ष 2025 की दूसरी तिमाही में मुनाफे के बाद यह घाटा हुआ है, जब कंपनी ने अपना मूवी और टिकटिंग कारोबार फूड एग्रीगेटर जोमैटो को बेचने की वजह से 928.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। नोएडा की इस कंपनी का राजस्व सालाना आधार पर वित्त वर्ष 2024 की तीसरी तिमाही के 2,850.5 करोड़ रुपये की तुलना में 35.9 प्रतिशत घटकर वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में 1,827.8 करोड़ रुपये रह गया। तिमाही आधार पर कंपनी का राजस्व वित्त वर्ष 25 की दूसरी तिमाही के 1,659.5 करोड़ रुपये के मुकाबले 10.1 प्रतिशत बढ़ा।

आईआरएफसी के मुनाफे में हुआ इजाफा

भारतीय रेल वित्त निगम लिमिटेड (आईआरएफसी) का चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ दो प्रतिशत बढ़कर 1,631 करोड़ रुपये हो गया। रेल मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण वाली इस गैर-बैंकिंग वित्तीय इकाई (एनबीएफसी) का वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में शुद्ध लाभ 1,599 करोड़ रुपये था। आईआरएफसी ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी की कुल आय अक्टूबर-दिसंबर अवधि में बढ़कर 6,766 करोड़ रुपये हो गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 की इसी अवधि में 6,740 करोड़ रुपये थी। समीक्षाधीन अवधि के दौरान मिनी रत्न कंपनी का कुल व्यय सालाना आधार पर 5,141 करोड़ रुपये से मामूली रूप से घटकर 5,136 करोड़ रुपये रह गया।

आईडीबीआई बैंक का शुद्ध लाभ 31 प्रतिशत बढ़ा

चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में आईडीबीआई बैंक का शुद्ध लाभ एक साल पहले की समान अवधि के मुकाबले 31 फीसदी बढ़कर 1,908.27 करोड़ रुपये रहा। बैंक की शुद्ध ब्याज आय बढ़ने और प्रावधानों में कमी से शुद्ध लाभ बढ़ा है। बीते वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में बैंक का शुद्ध लाभ 1,458.18 करोड़ रुपये था। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बैंक की शुद्ध ब्याज आय भी एक साल पहले की इसी अवधि के मुकाबले 23 फीसदी बढ़कर 4,228 करोड़ रुपये रही। बीते वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही के दौरान बैंक की शुद्ध ब्याज आय 3,435 करोड़ रुपये थी।

बैंक की अन्य आय में करीब 23 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई और यह एक साल पहले की इसी अवधि के मुकाबले 749.35 करोड़ रुपये रही। ऋणदाता की कुल आय 14 फीसदी बढ़कर 8,564.92 करोड़ रुपये रही।

इंडियन ओवरसीज बैंक का मुनाफा 21 प्रतिशत बढ़ा

चेन्नई के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के दौरान शुद्ध लाभ में 21 प्रतिशत का इजाफा दर्ज किया है और यह बढ़कर 874 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वर्ष की इसी तिमाही के दौरान शुद्ध लाभ 723 करोड़ रुपये था। फंसे हुए कर्ज में गिरावट की वजह से यह इजाफा हुआ है। बैंक ने समीक्षाधीन तिमाही के दौरान 8,409 करोड़ रुपये की कुल आय दर्ज की, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में यह राशि 7,437 करोड़ रुपये थी। इस तरह इसमें 13 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस अवधि में बैंक का परिचालन लाभ सालाना आधार पर 1,780 करोड़ रुपये के मुकाबले मामूली बढ़कर 2,266 करोड़ रुपये हो गया।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का शुद्ध लाभ 33 प्रतिशत बढ़ा

सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का चालू वित्त वर्ष की दिसंबर में समाप्त तीसरी तिमाही का शुद्ध लाभ 33 प्रतिशत बढ़कर 959 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले की समान तिमाही में 718 करोड़ रुपये था। बैंक ने सोमवार को शेयर बाजार को अक्टूबर-दिसंबर, 2024 तिमाही के वित्तीय नतीजों की सूचना दी। समीक्षाधीन तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 9,739 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले साल की समान अवधि में 9,139 करोड़ रुपये थी।

कुमार मंगलम ने जताई संभावना

आर्थिक परिवेश में ट्रंप का रहेगा प्रभाव

जेडन मैथ्यू पॉल और भाषा
मुंबई, 20 जनवरी

आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने 'द ट्रंप फैक्टर' को इस साल वैश्विक अर्थव्यवस्था और व्यापार पर व्यापक प्रभाव डालने वाला बताया है। बिड़ला ने 2024-25 को लेकर अपना विचार व्यक्ति किया है और अमेरिका के महत्त्व पर जोर दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि आदित्य बिड़ला समूह के लिए भारत के बाहर का सबसे महत्त्वपूर्ण बाजार अमेरिका ही रहा है। अमेरिका में आदित्य बिड़ला समूह का निवेश 15 अरब डॉलर के पार हो गया है, जिसमें वर्तमान में चार अरब डॉलर की नई परियोजना का विस्तार भी जुड़ा है। वॉरेन बफेट के कथन कभी अमेरिका के खिलाफ दांव नहीं लगाए जाने से सहमत होते हुए बिड़ला ने भारत-अमेरिका के संबंधों पर भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि भारत-अमेरिकी संबंधों की जो ताकत है, उससे आने वाले वर्षों में रिश्ते और प्रगाढ़ होंगे।

बिड़ला ने कहा कि विनिर्माण के लिए नए सिरे से वैश्विक कदम एक स्वागतयोग्य बदलाव है। यह वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अधिक मजबूती और विविधीकरण की दिशा में एक कदम का संकेत है।

बिड़ला ने कहा, 'भारत को अक्सर औद्योगिक क्षमताओं के लिए कम सराहा गया है। लेकिन हमारा देश इस क्षण का लाभ उठाने के लिए तैयार है। ऐपल का भारत में आना इस बदलाव का प्रतीक है; जल्द ही, दुनिया के एक-चौथाई आईफोन भारत में बनाए जा सकते हैं।' उन्होंने कहा कि अल्ट्राटेक आज अमेरिका के कुल सीमेंट उत्पादन का 1.5 गुना से अधिक उत्पादन करती है और यूरोप की कुल क्षमता का 80 प्रतिशत से अधिक की क्षमता कंपनी के पास है।

यूको बैंक UCO BANK
(भारत सरकार का उपक्रम)
प्रधान कार्यालय-II, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग
3 और 4 डीडी ब्लॉक, सेक्टर-1, सॉल्ट लेक, कोलकाता-700 064

निविदा की सूचना

यूको बैंक निम्नलिखित मदों के लिए निविदा आमंत्रित करता है:-
1. एंडपॉइंट डीएलपी समाधान के लिए अतिरिक्त 2500 लाइसेंस की खरीद।
2. डेस्कटॉप की आपूर्ति, स्थापना और रखरखाव।
3. डॉट मैट्रिक्स प्रिंटर और पासबुक प्रिंटर की आपूर्ति, स्थापना और रखरखाव।
किसी भी विवरण के लिए कृपया https://www.ucobank.com अथवा https://gem.gov.in वेबसाइट पर देखें।
(सहायक महाप्रबंधक)
दिनांक : 21.01.2025 सूचना प्रौद्योगिकी विभाग

SURYODAY A BANK OF SMILES
सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड
पंजी. व निगमित कार्यालय : 1101, शारदा टेरिसज, प्लॉट 65, सेक्टर-11 सीबीडी बेलापुर, नवी मुंबई - 400614 CIN: L65923MH2008PLC261472.

वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13(2) के तहत

चूंकि, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अंतर्गत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुपालन में मैसर्स सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ("एसएसएफबीएल") के प्राधिकृत अधिकारी मौजूदा अधोहस्ताक्षरी ने जारी संबंधित सूचनाओं और नीचे दिए गए अनुसार सूचना के प्रकाशन और आपको वैकल्पिक सेवा के द्वारा तिथि से 60 दिनों के भीतर तिथि तक के ब्याज, लागत, और शुल्कों के सहित पूरी बकाया का भुगतान करने के लिए कंपनी को अपनी पूर्ण देयता को पूरा करने के लिए निम्नलिखित ऋणी(यों), सह-ऋणी(यों), गारंटर(ओं) को बुलाने के लिए उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत मांग सूचनाएं जारी की थीं। ऋण का देय पुनर्भुगतान के लिए प्रतिभूति के रूप में, निम्नलिखित प्रतिभूतित परिसंपत्ति(यों) को क्रमशः ऋणी(यों), सह-ऋणी(यों), गारंटर(ओं) द्वारा एसएसएफबीएल को गिरवी रखी गई थी।

क्र. सं.	ऋणी / सह-ऋणी / गारंटर के नाम	मांग सूचना तिथि	एनपीए तिथि	कुल बकाया राशि रु. में
1	LAN No. 226000000026 1) श्री बलवंत सिंह, 2) श्रीमती रामा श्री बाई 3) श्रीमती सविता रघुवंशी	17-01-2025	21-11-2023	रु. 16,77,296.57 /- 07.01.2025 तक
	प्रतिभूतित परिसंपत्ति(यों) / अचल संपत्ति(यों) का विवरण : अचल संपत्ति मौजूदा प्लॉट के सभी भाग व शेष, खसरा 10 / 1 / 12 का भाग, गांव बेहलोत, खत्ता नं. 77, तहसील गंज बसौड़ा, जिला विदिशा, मध्य प्रदेश 464221 माप 1400 वर्ग फुट संपत्ति की सीमाएं : पूर्व : गली, पश्चिम : सरकारी सड़क / प्लॉट का स्वामी, उत्तर : राजेंद्र कुमार का प्लॉट / मुन्नी देवी का प्लॉट, दक्षिण : ओम प्रकाश का मकान			

यदि उक्त ऋणी, सह-ऋणी(यों) व गारंटर(ओं) उपरोक्त अनुसार एसएसएफबीएल को भुगतान करने में असफल रहते हैं, तो एसएसएफबीएल उक्त वर्णित प्रतिभूतित परिसंपत्ति का कब्जा लेने का हकदार होगा और पूरी तरह से ऋणियों के जोखिम, लागत व परिणामों पर कानून में कंपनी को उपलब्ध ऐसे अन्य कार्यवाही करेगा। उक्त ऋणी, सह-ऋणी(यों) व गारंटर(ओं) एसएसएफबीएल की पूर्व लिखित सहमति के बिना सूचना के संदर्भ में बिक्री, लीज या अन्यथा के द्वारा उपरोक्त प्रतिभूतित परिसंपत्ति(यों) का हस्तांतरण करने के लिए सरफेसी अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (13) के प्रावधानों के तहत प्रतिबंधित हैं।
स्थान : मध्य प्रदेश, दिनांक : 21.01.2025 हस्ता./- प्राधिकृत अधिकारी, सूर्योदय स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड के लिए

केआईएफएस हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : 6ठवां तल, केआईएफएस कॉर्पोरेट हाउस, होटल प्लानेट लैंडमार्क के समीप, अशोक वाटिका के निकट, बीआरटीएस, इस्कॉन - अंबली रोड, बोदकदेव, अंबली, अहमदाबाद, गुजरात - 380054
निगमित कार्यालय : सी-902, लोटस पार्क, ग्राहम फिर्थ कंपाउंड, पश्चिमी एक्सप्रेस हाईवे, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई- 400063, महाराष्ट्र, भारत, दूरभाष सं. : 91 22 61796400, ईमेल : contact@kifshousing.com, वेबसाइट : www.kifshousing.com, सीआईएन : यू65922जीजे2015पीएलसी085079, आरबीआई सीओआर : डीओआर-00145

परिशिष्ट IV साँकेतिक अधिग्रहण सूचना (अचल संपत्ति हेतु)

जबकि, अधोहस्ताक्षरकर्ता ने केआईएफएस हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (केएचएफएल) के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत और प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों के प्रयोगांतर्गत, कंपनी के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा यहाँ इसमें निम्न वर्णित ऋणकर्ता(ओं) / गारंटर(रों) को माँग सूचना(एं) निर्गत की थी जिसमें सूचना में अंकित राशि का, उक्त सूचना की प्राप्ति की तिथि से 60 दिवसों के अंदर प्रतिभुगतान करने को कहा गया था। चूंकि ऋणकर्ता निर्धारित बकाया राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल हो चुके हैं, अतएव एतद्द्वारा ऋणकर्ता(ओं)/गारंटर(रों) को तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षरकर्ता ने यहाँ इसमें निम्न विवरणित संपत्ति का प्रतिभूति हित पवर्तन नियमावली 2002 के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (4) के अंतर्गत उन्हें प्रदत्त शक्तियों के प्रयोगांतर्गत, अधिग्रहण कर लिया है। ऋणकर्ता का ध्यान, प्रतिभूत परिसंपत्तियों के मोचनार्थ उपलब्ध समय के संदर्भ में अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधान की ओर आकृष्ट किया जाता है। ऋणकर्ता को विशेष रूप में तथा जनसाधारण को एतद्द्वारा सामान्य रूप में सावधान किया जाता है कि संपत्ति का लेन-देन न करें तथा संपत्ति का कोई व किसी भी प्रकार का लेन-देन, यहाँ इसमें निम्नांकित अनुसार एक राशि तथा राशि पर ब्याज हेतु केआईएफएस के प्रभाराधीन होगा।

क्र. सं.	ऋणकर्ताओं / गारंटरों के नाम तथा एनपीए तिथि	माँग सूचना तिथि / बकाया राशि / शाखा/एलएएन	प्रतिभूत परिसंपत्तियों के विवरण	अधिग्रहण सूचना तिथि / प्रकार
1	1. यशवंत बंदेवार (आवेदक) 2. पुष्पा बंदेवार (सह-आवेदक) एनपीए : 10 मई, 2024	माँग सूचना तिथि : 04 नवंबर, 2024; बकाया : रु. 1603392/-; शाखा / लैन : छिंदवाड़ा / 15342/ LNHLCHI012562	एन 62 पी, एच, एन 05 आर.एन.एम छिंदवाड़ा 2, खसरा नंबर 32/1/1/1/2/1/1/1/1/1 का हिस्सा, वार्ड क्रमांक 09, महारानी लक्ष्मी बाई वार्ड, शासकीय स्कूल के पास, ग्राम कुकड़ा जगर, छिंदवाड़ा छिंदवाड़ा, मध्य प्रदेश भारत 480001, बिक्री विलेख के अनुसार सीमाएं :- पूर्व : विक्रेता की भूमि, पश्चिम : विक्रेता की भूमि, उत्तर : दुर्कासा कुरैसी की भूमि, दक्षिण : कच्ची सड़क। साइट के अनुसार :- पूर्व1 : खुला प्लॉट, पश्चिम1 : खुला प्लॉट, उत्तर1 : खुला प्लॉट, दक्षिण1 : कच्ची सड़क।	सॉकेतिक 15 जनवरी, 2025

ऋणकर्ताओं /गारंटरों के लिये साँविधिक सूचना
ऋणकर्ता(ओं)/गारंटरों को एतद्द्वारा सावधान किया जाता है कि संपत्ति को यहाँ इसमें इसके उपरांत किसी भी समय सार्वजनिक नीलामी / निविदाओं के माध्यम से बेचा जा सकता है और इसीलिए इसे प्रतिभूति (हित) प्रवर्तन नियमावली 2002 के नियम 6, 8 एवं 9 के अंतर्गत एक सूचना के रूप में भी माना /समझा जा सकता है। विस्तृत वस्तु-सूची (इंवेंटरी) एवं पंचनामा, बाधाओं के कारण अभिलेखित नहीं किया जा सका है क्योंकि ऐसी संपत्ति का फोटोग्राफ खींचा गया है।
दिनाँक : 21-01-2025 हस्ता./- प्राधिकृत अधिकारी,
स्थान : मध्य प्रदेश केआईएफएस हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड

टीवीएस ने उतारा ई-तिपहिया

टीवीएस मोटर कंपनी ने सोमवार को अपना पहला इलेक्ट्रिक तिपहिया पेश करने की घोषणा की है। टीवीएस किंग ईवी मैक्स के साथ कंपनी ने इस श्रेणी में अपनी शुरुआत की है। कंपनी ने अगले चार से छह महीने के दौरान अपनी इस इलेक्ट्रिक तिपहिया को देश भर में बेचने की योजना का भी खुलासा किया है।

2.95 लाख रुपये (एक्स शोरूम कीमत) से शुरू होने वाली टीवीएस किंग ईवी मैक्स शुरू में चुनिंदा डीलरों के यहां मिलेगी। उत्तर प्रदेश, बिहार, जम्मू-कश्मीर, दिल्ली और पश्चिम बंगाल से शुरू होकर यह वाहन अगले चार से छह महीने के दौरान पूरे देश में पेश किया जाएगा। *बीएस*

सीईओ जितना कमाने में लगेंगे 500 साल

पृष्ठ 1 का शेष

जब से इन्फोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति ने हर हफ्ते 70 घंटे और लार्सन ऐंड टूब्रो के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक एसएन सुब्रह्मण्यन ने 90 घंटे काम करने की बात कही है तब से कामकाज के अधिक घंटों पर बहस शुरू हो गई है। दोनों ने बाद में कहा कि ये बातें राष्ट्र निर्माण के सिलसिले में कही गई थीं।

प्राइम डेटाबेस के प्रबंध निदेशक प्रणव हल्दिया ने कहा, 'कोविड के बाद के वर्षों में नेतृत्व वाली प्रतिभा की मांग अधिक और उपलब्धता कम होने से सीईओ अथवा एमडी के वेतन पैकेज में जबरदस्त वृद्धि हुई है।'

परामर्श फर्म इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर एडवाइजरी सर्विसेज इंडिया के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक अमित टंडन ने कहा कि इससे उन अधिकारियों में गहराई तक बैठी एक धारणा का पता चलता है, जिनके पास कंपनी में बहुलांश हिस्सेदारी होती है। उन्हें लगता है कि कंपनी को सफलता उन्हीं के कारण मिली है, टीम की कोशिशों से नहीं। एक हकीकत यह भी है कि बहुलांश हिस्सेदारी के मालिक (या प्रवर्तक) के पास अपने वेतन पैकेज पर वोट देने का हक होता है और वे ऊंचे पैकेज को मंजूरी दिला देते हैं। टंडन ने कहा कि अल्पपांश शेयरधारकों की आवाज को ज्यादा वजन दिया जाए और वेतन बढ़ाने के प्रस्ताव पर अल्पांश शेयरधारकों का बहुमत जरूरी कर दिया जाए तो यह खामी दूर हो सकती है।

शेयर विकल्प (ईसॉप्स) और सेवानिवृत्ति लाभ जैसे कुछ कारक वरिष्ठ अधिकारियों के वेतन पर असर डाल सकते हैं। दिलचस्प है कि अलग-अलग उद्योग में शीर्ष अधिकारियों के वेतन में काफी अंतर है मगर उनमें काम करने वालों का मीडियन वेतन काफी हद तक एक ही दायरे में रहता है। पिछले वित्त वर्ष में वित्तीय क्षेत्र में वेतन 241 करोड़ रुपये सालाना तक पहुंच गया।

शिवालिक स्मॉल फाइनैंस बैंक लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय : 501, सालकॉन ऑरम, जसोला डिस्ट्रिक्ट सेंटर, नई दिल्ली - 110025
सीआईएन: यू65900डीएल2020पीएलसी366027

नीलामी सूचना

बैंक लिमिटेड के निम्नवर्णित कर्जदारों को सूचित किया जाता है कि उनके द्वारा बैंक से लिया गया स्वर्ण ऋण, उनसे बार बार मांग किए जाने और सूचनाएं, जिसमें बैंक द्वारा जारी व्यक्तिगत सूचनाएं शामिल हैं, जारी किए जाने के बावजूद, समायोजित नहीं किए गए हैं। एतद्द्वारा सभी कर्जदारों को सूचित किया जाता है कि बैंक में प्रतिभूति के रूप में रखे गए स्वर्ण आभूषण नीलाम करने का निर्णय किया गया है और तदनुसार नीलामी की तिथि 30-01-2025 तथा समय दोपहर बाद 03.00 बजे नियत किया गया है और नीलामी उस शाखा परिसर में की जाएगी जहां से ऋण प्राप्त किया गया था। कर्जदारों, खाता धारकों सहित सर्वजन और सर्वसाधारण इस नीलामी में नीलामी के नियम एवं शर्तों के अनुसार भाग ले सकते हैं।

क्र. सं.	शाखा	खाता संख्या	खाता धारक का नाम	पिता/पति/पत्नी का नाम	पता	खाता खोलने की तिथि	बकाया राशि
1.	पुणे तिलक रोड	104242510295	गौतम भामरे	एस/ओ आनंद	आनंद, सेंधवा, नंद कालोनी, निवाली रोड, बरवनी, मध्य प्रदेश-451666	19-02-2024	197,793.38

नीलामी की तिथि 30-01-2025/दोपहर बाद 03.00 बजे है
बैंक का, कोई पूर्व सूचना दिए बिना, नीलामी से कोई भी खाता हटाने या नीलामी निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।
प्राधिकृत अधिकारी, शिवालिक स्मॉल फाइनैंस बैंक लिमिटेड

भोपाल संस्करण : बिज़नेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा दैनिक भास्कर, प्लॉट नं. 10 व 11, सेक्टर बी, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल, म. प्र. 462023 से मुद्रित एवं सी/ओ अशोक कुमार जैन, शॉप नं. 1, पटेल मार्केट, संगम टॉकीज के समीप, भोपाल- 462001 से प्रकाशित
संपादक : कैलाश नौटियाल\ आरएनआई नं. MPHIN/2008/24603 पाठक संपादक को lettershindi@bsmail.in पर संदेश भेज सकते हैं। टेलीफोन - 033-22101314/1022/1600 फैक्स - 033-22101599
सबस्क्रिप्शन और सर्कुलेशन के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टमर रिलेशन्स बिज़नेस स्टैंडर्ड लिमिटेड, एच/4, बिल्डिंग एच, पैरागन सेंटर, बिड़ला सेंचुरियन के सामने, पी बी मार्ग, वर्ली, मुंबई-400013 ईमेल.. subs_bs@bsmail.in या 57575 पर एसएमएस करें REACHBS कोई हवाई अधिभार नहीं